





Govt. College Sainj (H.P.)
College Activity



Sr. No.	Particular	Remarks
1	Date / दिनांक	16.10.2024 - 18.10.2024
2	Name of Activity/	Participation in Workshop organized by G. B. Pant National Himalayan Environmental Institution, Mohal, Kullu
3	Name of Unit/Agency/Department Organizing the Activity	Ranger and Rover
4	Name of Collaborating Agency (If Any)	Disaster management Committee
5	No. of Student Participants	14
6	No. of Teacher Participants	02
7	Brief Report संक्षिप्त प्रतिवेदन	<div style="text-align: center;"><h3>NEWS TOPICAL LIVE</h3><p>18/10/2024 शुक्रवार  सैज, बंजार, आनी, कुल्लू, मनाली</p><h4>राजकीय महाविद्यालय सैज में तीन दिवसीय पर्यावरण जागरूकता और आपदा तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन</h4><p>खेमचंद सोनी</p><p>न्यूज टोपीकल लाइव/सैज : गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, हिमाचल क्षेत्रीय केंद्र, मोहल, कुल्लू द्वारा 16 से 18 अक्टूबर 2024 तक तीन दिवसीय "पर्यावरण जागरूकता और आपदा तैयारी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा सैज महाविद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, इको क्लब, एनएसएस रोवर और रेंजर के 22 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रथम दिन की शुरुआत संस्थान के केंद्र प्रमुख, इंजीनियर राकेश कुमार सिंह के स्वागत संबोधन से हुई, जिसके बाद उन्होंने आपदा और आपदा प्रबंधन पर प्रस्तुति देकर प्रतिभागियों को जागरूक किया। दूसरे दिन, शोधार्थी धर्म चांद ने "हिमालयी समुदाय के लिए स्रोतों का महत्व" विषय पर अपना व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने स्थानीय जल स्रोतों के महत्व और संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन, प्रोफेसर सुरेश कुमार और डॉ. किशोर कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती और पारंपरिक जल संसाधनों के सतत उपयोग के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही, प्रतिभागियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिससे उन्हें पर्यावरण और आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर अधिक जानकारी प्राप्त हो सके। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को न केवल आपदा प्रबंधन के महत्व के प्रति जागरूक किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में भी गहन जानकारी प्रदान की।</p></div>